क्वांटम सोच 2023

(4 त्रैमासिक मॉड्यूल का पाठ्यक्रम)

मौड्यूल १. आंतरिक स्थिती से बाहरी स्थिती को बनाना

"माइंड ओनली" यानी केवल मन ही उत्तरदायी है। इसे आध्यात्मिक परिभाषा में, चित्तमात्र स्थिती, कहा गया है। यह एक धारणा है जो हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म दोनों में पाई जाती है। इसके अनुसार, दुनिया मन के बिना मौजूद नहीं है। अगर विचार ही नहीं रहे, तो कोई भी चिज निर्माण, व्यक्त और नष्ट हो ही नही पाएगी।

मन में आनेवाले विचार ही आप के आजूबाजू की स्थिती को निर्माण करतें है। आप के अंदर कि स्थिती ही आप के बाह्य रूप को जन्म देती है।

इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर आ सकते है, की अगर आप अभी नकारात्मक स्थिती में हो, तो आप ही उसके उत्तरदायी हो।

आप कि नकारात्मक स्थिती के कुछ कारण इस प्रकार है -

1. सोच में स्पष्टता का अभाव
2. भविष्य की कल्पना में स्पष्टता का अभाव
3. आप के कौशल्य के बारे में स्पष्टता का अभाव
4. आप के कार्य की योजना और प्रगती की स्पष्टता का अभाव

लेकिन निराश न हों। अगर आप की नकारात्मक सोच ने नकारात्मक प्रभावों को निर्माण किया है, तो आप की सकारात्मक सोच आपके जीवन में सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

क्वांटम सोच कार्यक्रम के पहले त्रैमासिक मौड्यूल में हम यहीं बात सिखेंगे।

आप का पाठ्यक्रम -

- क्रिएटिव विज़ुअलाइज़ेशन – मानसिक चित्रण करना। – इस अध्याय में आप अपनी पीनियल ग्रंथि (तीसरी आंख) का प्रयोग कर किसी भी चिज का मानसचित्रण करके, उसे पाना सिखेंगे।
- श्रद्धा और सकारात्मक दृष्टीकोन इनका भेद – इस अध्याय में आप सकारात्मकता और अपार श्रद्धा के भेद को जानकर, श्रद्धा की और बढना, और बिना किसी संदेह के अपनी इच्छाओं को प्राप्त करना सिखेंगे।
- दृष्टा और दृष्य सिद्धांत – आपके विचार ही आप की वास्तविकता को कैसे बना रहें हैं, यह इस अध्याय में सिखेंगे।
- श्रीम ब्रज़ी को क्वांटमाइज़ करना – यानी, श्रीम ब्रझी मंत्र को सूक्ष्मातीसूक्ष्म स्तर पर ले जाना। इस अध्याय में आप अपने जीवन की तमाम आर्थिक अडचणों को नष्ट करना सिखेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

मूलभूत स्तर की तकनिकें -

‘आह’ ध्यान -

आह मंत्र के ध्यान से आप जीवन में जो कुछ भी चाहो वह प्राप्त कर सकते हो। इसे डॉक्टर पिल्लई ने सबसे पहले डॉक्टर वेन डायर को सिखाया था। डॉ. वेन डायर ने इस मंत्र को अपनी पुस्तक ‘मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी’ में सबके साथ शेयर किया और वह पुस्तक डॉक्टर पिल्लई को अर्पण कर दी।

क्वांटम सोच के पहले त्रैमासिक स्तर पर हम डॉक्टर पिल्लई द्वारा सिखाई हुई इस आह मैडिटेशन की तकनीक को एक नए प्रारूप में आपको सिखाएंगे।

श्रीम ब्रझी मंत्र की दीक्षा -

श्रीम ब्रझी ध्वनि आध्यात्मिक और व्यवहारिक इन दोनों माध्यमों में कार्य करता है। यह मंत्र आपको 200% जीवन प्रदान करने के लिए बना है - १०० प्रतिशत भौतिक और १०० प्रतिशत आध्यात्मिक।

- भौतिक घटक - श्रीम ब्रझी मंत्र से आपके मन में बसी नकारात्मकता हमेशा हमेशा के लिए नष्ट हो जाती है और वहां पर धन समृद्धि की नई चेतना की निर्मिती होने लगती है। इस मंत्र के जाप से आप अपने जीवन में बसी नकारात्मकता को हमेशा हमेशा के लिए नष्ट कर आपके जीवन को सुख-समृद्धि, सौख्य, धनलाभ आदि चीजों से भर सकते हो।

- आध्यात्मिक घटक - आध्यात्मिक स्तर पर यह मंत्र आपको आपके आत्म तत्व से जोड़कर वहां से ही ईश्वरी तत्व की अनुभूति करना सिखा देता है।

कार्यक्रम के इस स्तर में हम डॉ. पिल्लई द्वारा श्रीम ब्रझी मंत्र में दीक्षा प्राप्त करेंगे।

फोनेमिक इंटेलिजेंस (**PI**) तकनीक -

डॉ. पिल्लई आपको फोनेमिक इंटेलिजेंस (PI) से परिचित कराएंगे। यह डॉ. पिल्लई द्वारा विकसित एक वैज्ञानिक तकनीक है जो आप के पूरे मस्तिष्क को सक्रियता प्रदान करती है।

सर्वसाधारण रूप में, व्यक्ति के मस्तिष्क का कोई एक हिस्सा ही जागृत रहता है। PI तकनीक में दिए गए शक्तिशाली मंत्रों के माध्यम से आप अपने मस्तिष्क के दोनों हिस्सों को एक साथ ही जागृत करना सीख जाएंगे।

मध्यवर्ती स्तर की तकनीकें -

अराकारा मंत्र की दीक्षा -

अरकारा यह एक क्वांटम ध्वनि है जो आपके मस्तिष्क को हर क्षेत्र में सफलता पाने हेतु उर्जा प्रदान करता है।

मध्यवर्ती स्तर की तकनीकों में आप अराकारा मंत्र में दीक्षा प्राप्त कर उसे जागृत करना सीख जाएंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

योगवशिष्ठ ग्रंथ में बताई हुई तकनीकें और दृष्टा-दृश्य सिद्धांत -

क्वांटम भौतिक शास्त्र यह कहता है कि कोई भी दृश्य उसके दृष्टा बिना जीवित नहीं हो सकता।

दृष्टा दृष्यवशात बद्धः। दृष्याभावात विमुच्यते।
अर्थ - दृष्टा *(देखनेवाला)* दृष्यवशात *(देखने की इच्छा से)* बद्धः *(जुडा हुवा रहता है)*, दृष्याभावात *(देखने की इच्छा के अभाव में)* विमुच्यते *(वह दृष्ट नष्ट हो जाता है।)*

क्वांटम विचार यह कहता है कि दृष्टा ही अपने दृश्य को निर्माण करता है। इसका सरल अर्थ है आप जैसा सोचते हो वैसा बन जाते हो और वैसी ही स्थिती निर्माण करते हो।

इस मौड्यूल में आप इस सिद्धांत को अत्यंत गहराई से सिखेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

मौड्यूल २. नकारात्मक सोच पर काबू पाना

- आप जीवन में कई बार असफल क्यों होते हैं?
- कितना भी प्रयत्न कर लो लेकिन आपको किसी कार्य में यश क्यों नहीं मिलता है?
- क्या कारण हो सकता है कि आप की जमापूंजी हमेशा खर्च ही हो जाती है?

हमारे जीवन में ऐसे कई सारे प्रश्न होते हैं जिनका हमारे पास कोई भी उत्तर नहीं होता। ऐसे प्रश्न आध्यात्मिक स्तर के होते हैं।

आध्यात्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि आपके पितर उनके विचारों साथ, उनके जीवन त्यागने के बाद भी आप के साथ रहते हैं, और आप के जीवन में वहीं स्थिती निर्माण करते रहतें है जिस स्थिती में आप के पितर स्वयं थे।

इसका अर्थ है, की अगर आपके भीतर नकारात्मक थे तो वे आपको अनुवांशिक रूप में नकारात्मक सोच की भेंट दे जाते हैं। डॉ पिल्लई इसे 'सोल जेनेटिक्स' कहते हैं।

ईर्ष्या, हीन भावना, मूर्खतापूर्ण विचार, भय और नासमझी; इन सभी को एकत्रित रूप में नकारात्मकता कहा जाता हैं। जब आप क्वांटम स्तर पर सोचना शुरू करते हैं और अपनी नकारात्मकता से छुटकारा पा लेते हैं, तो आप सकारात्मक परिणामों को आकृष्ठ करतें है। क्वांटम सोच कार्यक्रम के इस दुसरे मौड्यूल में हम यहीं सिखेंगे |

आप का पाठ्यक्रम -

- सोल जेनेटिक्स – इस अध्याय में आप स्वयं को सिमित करने वाले आपके पूर्वजों के विचारों के धारणात्मक वैचारिक प्रभावों को कम करना सिखेंगे।
- बायोजेनेटिक्स – इस अध्याय में आप आपके शरीर, इंद्रियों और व्यवहार को प्रभावित करनेवाली, पीढ़ीगत आनुवंशिक सीमाओं को दूर करने हेतू,सिद्धों के अनुष्ठानों और तकनीकों का उपयोग करना सिखेंगे।
- ग्रहों का प्रभाव – प्रत्येक ग्रह का बल आपके दैनिक जीवन पर प्रभाव डालता है और आपके भाग्य और दुर्भाग्य को आकार देता है। इस अध्याय में हम ग्रहों के बुरे प्रभाव से बचना सिखेंगे।
- प्राणिक श्वास के साथ नकारात्मक विचारों को रोकना। – आप के नासिका से होनेवाला श्वासों का आवागमन अपनी प्राणशक्ती के साथ जोडना, हम इस अध्याय में सिखेंगे।

मूलभूत स्तर की तकनिकें -

सोल जेनेटिक्स **-**

इस कार्यक्रम के दूसरे मॉड्यूल में हम सोल जेनेटिक्स के सिद्धांतों को सीख कर उन्हें अपने जीवन में उपयोग में लाना सीखेंगे। इस दौरान आप डॉक्टर पिल्लई द्वारा प्रचारित की गई पितरों की पीड़ा से मुक्ति पाने की एक सरल विधि सीखेंगे।

भगवान शिवजी के मंत्र की दीक्षा**-**

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

एक शिवा मंत्र भगवान शिव देवों के देव है, तथा वे प्रकाश और मोक्ष प्रदान करते हैं।

इस मॉड्यूल में डॉक्टर पिलाई आपके साथ आपके कर्मों को और नकारात्मकता को सदा सदा के लिए नष्ट करने हेतु एक शिव मंत्र सामायिक करेंगे।

महर्षी अगस्ती के मंत्र की दीक्षा-

महर्षि अगस्त्य को सर्व सिद्धों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। उन्हें साक्षात शिव जी का अंश माना जाता है। वे आपके आत्म तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

महर्षि वशिष्ठ द्वारा प्राप्त एक श्रेष्ठ मंत्र इस मौड्यूल में डॉक्टर पिल्लई आपके साथ सामायिक करेंगे।

कर्म-निर्मूलन तकनिक -

निसर्ग के कई सारे रहस्य हमारे माननीय जीवन को नए फल प्रदान कर सकता है।

कार्यक्रम के इस चरण में हम निसर्ग में उपलब्ध कई सारी चीजें, जैसे - नारियल, फूल, नींबू, आदि, का प्रयोग कर हमारे कर्मों को नष्ट कैसे किया जाए यह भाग सीखेंगे।

मध्यवर्ती स्तर की तकनीकें -

काकभुशुंडि मंत्र दीक्षा-

तमिल सिद्ध परंपरा में उल्लेखित काकभुशुंडि एक अमर संत है। ऐसा कहा जाता है कि वह चार युगों से जीवित है और योगशक्ति और प्राणायाम के एक श्रेष्ठ प्रणेता है।

मध्यवर्ती स्तर पर आप काकभुशुंडि से जुड़ने हेतु एक शक्तिशाली मंत्र सीखेंगे।

स्वामीमलई तिर्थक्षेत्र के श्री मुरूगा (कार्तिकस्वामी) की मंत्र दीक्षा -

पुराणों की माने तो पूरे सृष्टि की उत्पत्ति भगवान श्री विष्णु की ओंकार ध्वनि से हुई है। इसलिए ओम ध्वनि को साक्षात परमेश्वर माना जाता है।

तमिलनाडु राज्य में स्थित स्वामीमलई तीर्थक्षेत्र में, भगवान शिव जी को उनके पुत्र कार्तिक स्वामी ने, ओंकार का पुनः स्मरण करा कर बंधन मुक्त किया, ऐसी आख्यायिका प्रचलित है।

कार्यक्रम के इस चरण में आप डॉक्टर पिल्लई द्वारा, आप के ज्ञानचक्षू को खोलने हेतु, ओम मंत्र की दीक्षा प्राप्त करेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

मौड्यूल ३. अपने ईश्वरीय स्वरूप से एकरूपता प्राप्त करना

अध्यात्मशास्त्र की सर्वोत्तम शिक्षा यह है, कि आप साक्षात परमेश्वर हो। आप ही आपके जीवन के रचयिता हो। तो ऐसा क्यों होता है कि कई सारे लोगों के जीवन में नकारात्मकता, निर्धनता, शारीरिक स्वास्थ्य, खराब शिक्षा, खराब नौकरी, खराब सगेसंबंधी, आदि होते हैं? क्या वे सब लोग ईश्वर नहीं होते होते?

होते हैं, किंतु उन्हें, 'वे ईश्वर है', इस बात की अनुभूति नहीं होती।

ईश्वर, हमारे क्वांटम मन, यानी सूक्ष्मातिसूक्ष्म वैश्विक मन में रहता है। इसके विपरीत हम स्थूल मन में रहतें हैं। इसलिए हमें हमारे परमेश्वरीय तत्व का अंदाजा नहीं होता। क्वांटम सोच के इस मौड्यूल में हम अपने सच्चे ईश्वरीय स्वरूप को ग्रहण करना सिखेंगे। इस मौड्यूल में सामाविष्ट अध्याय कुछ इस प्रकार हैं।

आप का पाठ्यक्रम -

- अपने आत्मतत्व का दर्शन और उसका स्थान पहचानना – इस अध्याय में आप अपनी व्यक्तिगत आत्मा को समझना, उसका आंतरिक दर्शन करना और मस्तिष्क में उसके स्थान को पहचानना सिखतें है।
- ईश्वरीय जेनेटिक्स और ब्रहमांड की सुपर सिमिट्री को अपनाना – इस अध्याय में आप अपने मन और शरीर को, आपकी ईश्वरीय प्रतिभा के प्रयोग से, प्रकाश में बदलकर, आनंद की अनुभूति करना सिखतें हैं।
- ईश्वरीय निरपेक्ष प्रेम (प्रीति) का अनुभव करना – इस अध्याय में आप ईश्वरीय प्रीति का अनुभव कर ईश्वर की कृपा को संपदन करना सिखतें हैं।
- निःस्वार्थ सेवा – इस अध्याय में आप 'निष्काम भाव से सेवा करके आपके विकास को गति देना' सिखतें है। लोगों की कल्याण करना ईश्वर का कार्य है। जब आप ईश्वरीय कार्य करते हैं, तो आप पर कृपा अवतरीत होती है।

मूलभूत स्तर की तकनिकें -

पिच्यूटरी ग्रंथी का जागृत करनेवाला ध्यान **-**

मानवीय मस्तिष्क में स्थित पिच्युटरी ग्रंथि आपके मन को आपकी आत्मा से जोड़े रखती है।

कार्यक्रम के इस चरण में डॉक्टर पिल्लई हमें अपने मन को अपनी आत्मा से जोड़ने के लिए एक अद्वितीय ध्यान पद्धति सिखाएंगे।

मुरूगा (कार्तिकस्वामी) के मंत्र की दीक्षा **-**

मुरूगा यानी कार्तिक स्वामी को देवों का सेनापति माना गया है। वे तीसरा नेत्र और सर्वोत्तम ज्ञान का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे आपके जीवन में बड़े से बड़े चमत्कार कर सकते हैं।

कार्यक्रम के इस चरण में, डॉक्टर पिल्लई, आपको मुरूगा की सिद्ध शक्ति के साथ जुड़ने हेतु, और अपने जीवन में चमत्कारों की प्राप्ति करने हेतु, एक श्रेष्ठ मंत्र की दीक्षा देंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

राजा सोलोमन के मंत्र की दीक्षा -

सोलोमन राजा को विश्व का सबसे धनसंपन्न राजा कहा जाता है। सोलोमन राजा एक देवी उपासक आध्यात्मिक राजा था।

कार्यक्रम के इस स्तर में, डॉक्टर पिल्लई आपको, सोलोमन राजा से प्रचलित एक मंत्र सिखाएंगे, जो आपको आपके अंदर के देवी तत्व से जुड़ने की क्षमता प्रदान करेगा।

मध्यवर्ती स्तर की तकनीकें -

मुरूगा के विविध मंत्रों की दीक्षा -

मुरुगा मस्तिष्क के स्वामी है। आपके मस्तिष्क में पिच्युटरी ग्रंथि नाम का एक छोटा सा हिस्सा होता है, जो आपके मानवीय मन की मर्यादा को ईश्वर की अमर्यादित शक्ति से जोड़ने की क्षमता रखता है।

कार्यक्रम के इस स्तर में, हम मुरुगा स्वामी के वे मंत्र सीखेंगे, जो हमें हमारी स्वयं की मानवीय धारणा को बदल कर उसे ईश्वरीय धारणा में रूपांतरित करने की शक्ती प्रदान करेंगे।

पिच्युटरी और पिनिअल ग्रंथीओं के मंत्र की दीक्षा-

पीनियल ग्रंथि को ईश्वर का मन और पिच्युटरी ग्रंथि को मानवीय मन कहा जाता है। इन दोनों ग्रंथियों को एक साथ जोड़ने से आप जीवन के कई सारे कार्य सर्वश्रेष्ठ रुप से कर पाते हो।

कार्यक्रम के इस स्तर में हम पीनियल और पिच्युटरी ग्रंथियों के मंत्र सीखेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

मौड्यूल ४. सर्वश्रेष्ठ विचार करना

“मैं सब कुछ स्वयं ही सोचता हुँ और उसे वास्तविकता बनाता हूं” इस धारणा का विकास होना एक क्वांटम, यानी सूक्ष्मातीसूक्ष्म वास्तविकता हैं।

कार्यक्रम के इस स्तर पर हमें यह ज्ञात हो गया होगा की हम जैसा सोचतें हैं, वैसे ही बन जातें है। इसलिए हमें केवल और केवल अच्छा ही सचना चाहिए।

किंतु केवल अच्छा सोचने से हम मानविय स्तर पर ही मर्यादित रह जाते हैं।

इसलिए, हमें सर्वश्रेष्ठ विचार करना सिखना होगा। कार्यक्रम के इस मौड्यूल में हम सर्वश्रेष्ठ दैविय प्रतिभा जनित विचारों को अपनाना सिखेंगे।

आप का पाठ्यक्रम -

- विचार मूल्यांकन – इस अध्याय में आप अपने दिमाग की अनावश्यक सोचने की आदतों को तोड़ना और सचेत रहकर अच्छे और कार्यक्षम विचारों को बनाना सिखेंगे।
- श्रेष्ठतम विचारों का गठन करना – इस अध्याय में अपनी नकारात्मक बुद्धी, आपकी दुषित सोच, आप समय की अवधारणा, आदी को, पूरी तरह से बदलने हेतु लिए दैविय विचारों का गठन करना सिखेंगे।
- हटके विचार करने की क्षमता विकसीत करना – इस अध्याय में आप रोजमर्रा के डर और चिंता से भरे औसत दर्जे के विचारों को नष्ट करना और कुछ नया सोचना, सिख जाएँगे।
- काल के बंधन से उपर उठना – किसी भी चिज को पाने में हमें कुछ समय लगता है। किंतु उस समय को कम कैसे करें, इस बात का ज्ञान हमें नहीं होता। इस अध्याय में, आप समय को कम करके किसी भी चिज तो तत्क्षण पाने की कला को सिखेंगे।

मूलभूत स्तर की तकनिकें -

राजा सोलोमन के गीत -

सोलोमन राजा आध्यात्मिक और व्यवहारिक उन्नति का एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। वे कई बार ईश्वर से हृदय पूर्वक बातें किया करते थे, तथा ईश्वर की शक्ति की स्तुति करने हेतु गातें भी थे। उनके गीत सोलोमन गीतों के नाम से प्रसिद्ध है।

कार्यक्रम के इस स्तर में आपको सोलोमन राजा के चुनिंदा गीतों से अवगत कराया जाएगा।

व्यंकटेश्वर श्रीनिवास मंत्र दीक्षा-

भगवान श्रीव्यंकटेश, या श्रीनिवास, भगवान श्री विष्णु के एक अवतार है, और वे आमर्यादित धन का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें बालाजी के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान श्रीव्यंकटेश की, सर्वोत्तम धनसंपत्ती प्रदान करने वाली शक्ति से जुड़ने हेतु, डॉक्टर पिल्लई आपको व्यंकटेश्वर श्रीनिवास मंत्र में दीक्षा प्रदान करेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved

मध्यवर्ती स्तर की तकनीकें -

राजा सोलोमन के चुनिंदा गाणे और यंत्र **-**

सोलोमन राजा सर्वोच्च आध्यात्मिक क्षमता के साथ ईश्वर से एकरूप हो गए थे।

उस धारणा में उन्हें प्राप्त यंत्रों का उपयोग कैसे किया जाए यह हम इस मौड्यूल में सीखेंगे।

इसके साथ-साथ, सोलोमन राजा के उन चुनिंदा गीतों से भी अपना परिचय कराएंगे, जो गीत, उन यंत्रों को जागृत कर, हमें धनसंपत्ती का आशिर्वाद प्रदान करा सकते हैं।

भगवान कुबेर के **4** मंत्रों की दीक्षा**-**

कुबेर जी को स्वर्ग का धनाधिपति, या धनपालक, माना गया है। वे एक ऐसे देवता है जो आपको अमर्याद धन-संपत्ति प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के इस अंतिम चरण में, डॉक्टर पिल्लई आपको, कुबेर जी की अमर्याद धन-संपत्ति प्राप्त करने, हेतु चार विभिन्न मंत्रों में दीक्षा प्रदान करेंगे।

© 2022 Pillai Center, LP All Rights Reserved